

This Question Paper consists of 15 questions and 8 printed pages.

इस प्रश्न-पत्र में 15 प्रश्न तथा 8 मुद्रित पृष्ठ हैं।

Roll No. 

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

  
अनुक्रमांक

Code No. 68/S/O  
कोड संख्या

Set / सेट – 

A
---

**CARNATIC MUSIC**  
(कर्नाटक संगीत)  
(243)

**Day and Date of Examination**

(परीक्षा का दिन व दिनांक)

**Signature of Invigilators**

(निरीक्षकों के हस्ताक्षर)

1. \_\_\_\_\_

2. \_\_\_\_\_

**General Instructions :**

- 1 Candidate must write his/her Roll Number on the first page of the Question Paper.
- 2 Please check the Question Paper to verify that the total pages and the total number of questions contained in the Question Paper are the same as those printed on the top of the first page. Also check to see that the questions are in sequential order.
- 3 For the objective type of questions, you have to choose any **one** of the four alternatives given in the question, i.e. (A), (B), (C) or (D) and indicate your correct answer in the Answer-Book given to you.
- 4 Making any identification mark in the Answer-Book or writing Roll Number anywhere other than the specified places will lead to disqualification of the candidate.
- 5 (a) This Question Paper is Bi-lingual i.e., English and Hindi. However, if you wish, you can answer in any one of the languages listed below :  
English, Hindi, Urdu, Punjabi, Bengali, Tamil, Malayalam, Kannada, Telugu, Marathi, Odia, Gujarati, Konkani, Manipuri, Assamese, Nepali, Kashmiri, Sanskrit and Sindhi.  
You are required to indicate the language you have chosen to answer in the box provided in the Answer-Book.  
(b) If you choose to write the answer in the language other than Hindi and English, the responsibility for any errors/mistakes in understanding the question will be yours only.
- 6 Candidate will not be allowed to take Calculator, Mobile Phone, Bluetooth, Earphone or any such electronic devices in the Examination Hall.
- 7 In case of any doubt or confusion in the question paper, the English version will prevail.
- 8 Write your Question Paper Code No. **68/S/O, Set - A** on the Answer-Book.



**सामान्य अनुदेश :**

- 1 परीक्षार्थी प्रश्नपत्र के पहले पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक अवश्य लिखें।
- 2 कृपया प्रश्नपत्र को जाँच लें कि प्रश्नपत्र के कुल पृष्ठों तथा प्रश्नों की संख्या उतनी ही है जितनी प्रथम पृष्ठ के सबसे ऊपर छपी है। इस बात की जाँच भी कर लें कि प्रश्न क्रमिक रूप में हैं।
- 3 वस्तुनिष्ठ प्रश्नों में आपको चार विकल्पों (A), (B), (C) अथवा (D) में से कोई एक उत्तर चुनना है तथा दी गई उत्तर-पुस्तिका में उस सही उत्तर को लिखना है।
- 4 उत्तर-पुस्तिका में पहचान-चिह्न बनाने अथवा निर्दिष्ट स्थानों के अतिरिक्त कहीं भी अनुक्रमांक लिखने पर परीक्षार्थी को अयोग्य ठहराया जायेगा।
- 5 (क) यह प्रश्न-पत्र दो भाषाओं में है अर्थात् अंग्रेजी एवं हिंदी। फिर भी, यदि आप चाहें तो नीचे दी गई किसी एक भाषा में उत्तर दे सकते हैं :  
अंग्रेजी, हिंदी, उर्दू, पंजाबी, बंगला, तमिल, मलयालम, कन्नड़, तेलुगु, मराठी, उड़िया, गुजराती, कोंकणी, मणिपुरी, असमिया, नेपाली, कश्मीरी, संस्कृत और सिंधी।  
कृपया उत्तर-पुस्तिका में दिए गए बॉक्स में लिखें कि आप किस भाषा में उत्तर लिख रहे हैं।  
(ख) यदि आप हिंदी एवं अंग्रेजी के अतिरिक्त किसी अन्य भाषा में उत्तर लिखते हैं, तो प्रश्नों को समझने में होने वाली त्रुटियों / गलतियों की जिम्मेदारी केवल आपकी होगी।
- 6 परीक्षार्थी को परीक्षा हॉल में कैल्कुलेटर, मोबाइल फोन, ब्लूटूथ, इयरफोन जैसे किसी भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण को ले जाने की अनुमति नहीं है।
- 7 प्रश्नपत्र में किसी भी प्रकार के संदेह अथवा दुविधा की स्थिति में अंग्रेजी अनुवाद ही मान्य होगा।
- 8 अपनी उत्तर-पुस्तिका में प्रश्नपत्र की कोड संख्या **68/S/O, सेट – A** लिखें।

**NOTE / निर्देश :**

- (1) Answers of all questions are to be given in the Answer-Book given to you.

सभी प्रश्नों के उत्तर आपको दी गयी उत्तर पुस्तिका में ही लिखें।

- (2) 15 minutes time has been allotted to read this question paper. The question paper will be distributed at 02.15 p.m. From 02.15 p.m. to 02.30 p.m., the students will read the question paper only and will not write any answer on the answer-book during this period.

इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण दोपहर में 02.15 बजे किया जाएगा। 02.15 बजे से 02.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।



# CARNATIC MUSIC

(कर्नाटक संगीत)

(243)

Time : 2 Hours]

[Maximum Marks : 40

समय : 2 घण्टे]

[पूर्णांक : 40

- Note :**
- (i) This question paper consists of **15** questions in all.
  - (ii) All questions are compulsory.
  - (iii) Marks are given against each question.
  - (iv) **Section A consists of -**  
Q. No. **1** to **8** - Multiple Choice Questions (MCQs) carrying **01** mark each. Select and write the most appropriate option out of the four options given in each of these questions.
  - (v) **Section B consists of** Objective Type Questions. Q. No. **9** and **10**.  
Read the passages and attempt the given below questions.
  - (vi) **Section C consists of** Subjective Type Questions. Q. No. **11** to **15**.
    - (a) Q. No. **11** and **12** - Short questions carrying **03** marks each to be answered in the range of **50** to **60** words. An internal choice has been provided.
    - (b) Q. No. **13** Short Answer question carrying **04** marks to be answered in the range of **70** to **80** words. An internal choice has been provided.
    - (c) Q. No. **14** and **15** - Long Answer questions carrying **05** marks each to be answered in the range of **80** to **100** words. An internal choice has been provided.

- निर्देश :**
- (i) इस प्रश्न-पत्र में कुल **15** प्रश्न हैं।
  - (ii) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
  - (iii) प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दर्शाए गए हैं।
  - (iv) खण्ड अ के प्रश्न इस प्रकार हैं :  
प्रश्न संख्या **1** से **8** तक बहुविकल्पी प्रश्न हैं, प्रत्येक प्रश्न **01** अंक का है। इन प्रत्येक प्रश्न में दिए गए चार विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प को चुनिए तथा प्रश्न संख्या के सामने लिखिए।
  - (v) खण्ड ब के प्रश्नों में प्र. सं. **9** और **10** वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न हैं।  
गद्यांशों को पढ़िए और नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
  - (vi) खण्ड स के प्रश्नों में प्र. सं. **11** से **15** विषयपरक प्रकार के प्रश्न हैं।
    - (a) प्रश्न संख्या **11** एवं **12** लघु उत्तर प्रकार के प्रत्येक **03** अंकों के प्रश्न हैं। जिनकी उत्तर शब्द सीमा **50** से **60** शब्द है। आंतरिक पसंदगी दी गयी है।
    - (b) प्रश्न संख्या **13** लघु उत्तर प्रकार का **04** अंक का प्रश्न है। जिनकी उत्तर शब्द सीमा **70** से **80** शब्द है। आंतरिक पसंदगी दी गयी है।
    - (c) प्रश्न संख्या **14** एवं **15** दीर्घ उत्तर प्रकार के प्रत्येक **05** अंकों के प्रश्न हैं। जिनकी उत्तर शब्द सीमा **80** से **100** शब्द है। आंतरिक पसंदगी दी गयी है।



## SECTION – A

खण्ड – अ

### Multiple Choice Questions. (MCQ).

बहुविकल्पीय प्रश्न।

- 1 The treatise written by Sage Bharata - 1  
(A) Sangita Sara (B) Natyasastra  
(C) Chaturdandi Prakasika (D) Swaramelakalanidhi  
ऋषि भरत द्वारा लिखित ग्रंथ \_\_\_\_\_  
(A) संगीत सार (B) नाट्यशास्त्र  
(C) चतुरदंडी प्रकाशिका (D) स्वरमेलकलानिधि
- 2 Navaratnamalika is composed by - 1  
(A) Syamasastri (B) Tyagaraja  
(C) Swati Tirunal (D) Muthuswami Dikshitar  
नवरत्नमालिका का संयोजन \_\_\_\_\_ ने किया है।  
(A) स्यामा शास्त्री (B) त्यागराज  
(C) स्वाति तिरुनल (D) मुत्तुस्वामी दीक्षितर
- 3 The author of Sangita Sara - 1  
(A) Vidyaranya (B) Govindacharya  
(C) Ramamatya (D) Venkatamakhi  
संगीत सार के लेखक \_\_\_\_\_ हैं।  
(A) विद्यारण्य (B) गोविंदाचार्य  
(C) रामामात्य (D) व्यंकटमखी
- 4 Group Kriti composed by Muthuswami Dikshitar - 1  
(A) Navatri Kriti (B) Navaratnamalika  
(C) Navagraha Kriti (D) Navavidha Bhakti Kriti  
मुत्तुस्वामी दीक्षितर द्वारा रचित समूह कृति \_\_\_\_\_।  
(A) नवरात्रि कृति (B) नवरत्नमालिका  
(C) नवग्रह कृति (D) नवविधा भक्ति कृति



5 The musical form which belongs to both music and dance concerts : 1

- (A) Divyanama Kirtana (B) Tillana  
(C) Tanavarnam (D) Ugabhogas

संगीत का वह रूप, जो संगीत और नृत्य दोनों से संबंधित है \_\_\_\_\_।

- (A) दिव्यनाम कीर्तन (B) तिल्लाना  
(C) तान वर्ण (D) उगभोग

6 The composer of Krishnalila Tarangini - 1

- (A) Jayadeva (B) Arunagiri Nathar  
(C) Kshetragna (D) Narayana Tirtha

कृष्णलीला तरंगिणी के संयोजक हैं \_\_\_\_\_।

- (A) जयदेव (B) अरुणागिरी नाथर  
(C) क्षेत्रग्न (D) नारायण तीर्थ

7 Another name for Padavarnam - 1

- (A) Padam (B) Tana Varnam  
(C) Daru Varnam (D) Chauka Varnam

पद वर्ण का दूसरा नाम \_\_\_\_\_ है।

- (A) पद्म (B) तान वर्ण  
(C) दत्तु वर्ण (D) चौक वर्ण

8 The composer who came with Viloma Chapu for the first time - 1

- (A) Syama Sastri (B) Purandara Dasa  
(C) Tyagaraja (D) Mthuswami Dikshitar

वह संगीतकार, जिसने पहली बार विलोम चापु का प्रयोग किया था \_\_\_\_\_।

- (A) स्यामा शास्त्री (B) पुरंदरदास  
(C) त्यागराज (D) मुत्तुस्वामी दीक्षितर



## SECTION – B

### खण्ड – ब

9 Read the passage carefully and fill in the blanks given below :

Like Purandaradasa, Ramadas too used simple folk tunes and easy language to describe his deity and devotion. He did not make the songs difficult, so that ordinary people could understand and sing them in group bhajans. Frequent repetition of Ramanama, and the signature 'Bhadrachala' are seen in his songs, which are mainly in Telugu, but with many Sanskrit words. Both Purandaradasa and Ramadasa inspired many later composers, especially Tyagaraja who refers to Ramadasa's bhakti in his own compositions. Ramadasa's Keertanas have sections like pallavi and multiple charanams, and set in familiar ragas and tunes like Kambodhi. The emphasis is more on words than on tunes. All bhajan sessions in South India include his songs which are well suited for group singing.

- (A) Like Purandaradasa \_\_\_\_\_ used simple folk tunes and easy language 1  
to describe his deity and devotion.
- (B) Frequent repetition of Ramanama and the signature \_\_\_\_\_ are seen 1  
in his songs, which are mainly in Telugu.
- (C) Both Purandaradasa and Ramadasa inspired many later composers, 1  
especially Tyagaraja who refers to \_\_\_\_\_ in his own compositions.
- (D) Ramadasa's keertanas have sections of a Pallavi and \_\_\_\_\_ and 1  
are set in familiar ragas and tunes.
- (E) The emphasis is more on words than on \_\_\_\_\_. 1
- (F) Ramadasa's kirtanas are set in familiar ragas like \_\_\_\_\_. 1

नीचे लिखे गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और फिर नीचे दिए गए रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :  
पुरंदरदास की भाँति रामदास ने भी अपने आराध्य का वर्णन और उसकी आराधना के लिए सरल लोक धुनों और आसान भाषा का प्रयोग किया। उन्होंने गीतों को बहुत कठिन नहीं बनाया जिससे साधारण लोग उन्हें समझ सकें और सामूहिक भजनों के अंतर्गत गा सकें। उनके गीतों में रामनाम का बारंबार दोहराना और हस्ताक्षर भद्रचल दिखाई देता है। वे मुख्यतया तेलुगू में हैं परंतु उनमें संस्कृत के कई शब्द हैं। पुरंदरदास और रामदास दोनों के बाद कई रचयिताओं, विशेषतया त्यागराज को प्रेरणा दी जो रामदास की भक्ति का अपनी रचनाओं में उल्लेख करते हैं।

रामदास के कीर्तन पल्लवी और कई चरणों में बद्ध हैं और कांबोधी जैसे परिचित रागों और धुनों में रचे गए हैं। धुनों की तुलना में शब्दों पर अधिक जोर दिया गया है। दक्षिण भारत में संपूर्ण भजन मंडलियों में उनके गीत सम्मिलित होते हैं जो समूहगान के लिए पूर्ण रूप से उपयुक्त हैं।

- (क) पुरंदरदास की भाँति \_\_\_\_\_ ने अपने आराध्य का वर्णन और उसकी आराधना के लिए सरल लोकधुनों और आसान भाषा का प्रयोग किया।
- (ख) उनके गीतों में बारंबार रामनाम का दोहराना और हस्ताक्षर \_\_\_\_\_ दिखाई देता है, वे मुख्यतया तेलुगू में हैं।



- (ग) पुरंदरदास और रामदास दोनों ने बाद के कई रचयिताओं विशेषतया त्यागराग को प्रेरणा दी जो \_\_\_\_\_ की भक्ति का अपनी रचनाओं में उल्लेख करते हैं।
- (घ) रामदास के कीर्तन पल्लवी और \_\_\_\_\_ में बद्ध हैं और वे परिचित रागों और धुनों में रचे गए हैं।
- (च) \_\_\_\_\_ की तुलना में शब्दों पर अधिक जोर दिया गया है।
- (छ) रामदास के कीर्तन \_\_\_\_\_ जैसे परिचित रागों में रचे गए हैं।

**10** Read the passage carefully and answer the following questions :

Raga is the soul of Indian Music and it is Indian contribution to International Music. Vidyaranya (14<sup>th</sup> cent) mentioned 15 melas and their janya ragas in his treatise 'Sangita Sara'. Ramamatya (16<sup>th</sup> cent) mentioned 20 melas in his treatise 'Swaramela Kalanidhi'. 17<sup>th</sup> century saw the emergence of Chaturdandi Prakasika by Venkatamakhi. The treatise enumerated 72 Asampurna melakarta scheme, based on the 16 swarasthanas. The system was called Kanakambari Ratnambari scheme. Later Govindacharya came up with a more clear scheme of 72 melas known as Sampurna Mela in his 'Sangraha Choodamani'.

Write True (T) and False (F) :

- (A) Vidyaranya is the author of Sangita Sara. (T/F) 1
- (B) Sangita Sara speaks about 21 mela and its janya ragas. (T/F) 1
- (C) Ramamatya mentioned about 72 melas in his 'Swaramela Kalanidhi' (T/F) 1
- (D) Ramamatya was the author of 'Chaturdandi Prakasika'. (T/F) 1
- (E) Kanakambari - Ratnambari system is known as Sampurna mela scheme. (T/F) 1
- (F) Govindacharya brought in the scheme of Sampurna mela. (T/F) 1

नीचे लिखे गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और फिर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

राग भारतीय संगीत की आत्मा है और अंतरराष्ट्रीय संगीत को भारत की देन है। विद्यारण्य (14वीं शताब्दी) ने अपने ग्रंथ संगीत सार में 15 मेल और उनके जन्य राग बताए हैं। रामामात्य (16वीं शताब्दी) ने अपने ग्रंथ स्वरमलकलानिधि में 20 मेल बताए हैं।

17वीं शताब्दी में व्यंकटमखी द्वारा रचित चतुरदंडी प्रकाशिका का आविर्भाव हुआ। इस ग्रंथ के अंतर्गत 16 स्वरस्थानों पर आधारित 72 असंपूर्ण मेलकर्ता पद्धति को परिगणित किया गया है। इस प्रणाली को कनकांबरी – रत्नांबरी पद्धति कहा गया। बाद में गोविंदाचार्य ने अपने संग्रह चूड़ामणि में संपूर्ण मेल के नाम से 72 मेलों की एक स्पष्ट योजना बनाई।

सही एवं गलत लिखिए :

- (क) विद्यारण्य 'संगीत सार' के लेखक हैं। (सही/लगत)
- (ख) 'संगीत सार' 21 मेल और उनके जन्य रागों के बारे में बताता है। (सही/लगत)
- (ग) रामामात्य ने अपने ग्रंथ 'स्वरमल कलानिधि' में 72 मेलों के बारे में बताया है। (सही/लगत)
- (घ) रामामात्य 'चतुर दंडी प्रकाशिका' के लेखक हैं। (सही/लगत)
- (च) कनकांबरी – रत्नांबरी पद्धति को संपूर्ण मेल पद्धति के नाम से भी जाना जाता है। (सही/लगत)
- (छ) गोविंदाचार्य संपूर्ण मेल पद्धति को लेकर आए। (सही/लगत)



## SECTION – C

### खण्ड – स

- 11 How did the Sampurna Mela Paddhati come into vogue? 3  
संपूर्ण मेल पद्धति किस प्रकार प्रचलन में आई?

OR / अथवा

Discuss about the musical form 'Tarangam'.  
संगीत के रूप तरंग का वर्णन कीजिए।

- 12 "Javalis are well suited for dance concerts" - Justify the statement. 3  
“जावली नृत्य सभाओं के लिए भली-भाँति अनुकूल होती है।” इस कथन का औचित्य सिद्ध कीजिए।

- 13 Describe the two types of Divya Nama Kirtana. 4  
दिव्य नाम कीर्तन के दो प्रकारों का उल्लेख कीजिए।

OR / अथवा

What was the contribution of Subbarama Dikshitar in the field of Carnatic Music  
कर्नाटक संगीत के क्षेत्र में सुब्बाराम दीक्षितर का क्या योगदान है?

- 14 (a) Briefly explain the contribution of Swati Tirunal to the world of 5  
Carnatic Music.  
(अ) कर्नाटक संगीत की दुनिया में स्वाति तिरुनल के योगदान का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

OR / अथवा

(b) Discuss and differentiate between Kirtana and Kriti.  
(ब) कीर्तन और कृति में अंतर स्पष्ट कीजिए।

- 15 (a) Describe briefly the ancient period in the history of Indian Music. 5  
(अ) भारतीय संगीत के इतिहास में प्राचीन काल का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

OR / अथवा

(b) Briefly explain the group Kritis composed by the Musical Trinity.  
(ब) संगीतमय त्रिमूर्ति द्वारा रचित समूह कृति के बारे में संक्षेप में वर्णन कीजिए।

